06-09-2022

माता पिता के साथ साथ शिक्षक ही बच्चों को ज्ञान देता

श्रीटीएनएन

कानपुर राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में शिक्षक दिवस समारोह छात्रों की क्रिया-कलाप परिषद द्वारा आयोजित किया गया। समारोह में संस्थान के छात्रों की वैज्ञानिक समिति के उपाध्यक्ष ने संस्थान के शिक्षकों के प्रति अपना आभार व्यक्त करते हुए उनसे जीवनपर्यंत पथ-प्रदर्शक की भूमिका का निर्वहन करने का अनुरोध किया।

छात्रों की क्रिया-कलाप परिषद द्वारा इस अवसर पर जहाँ संस्थान के वरिष्ठ शिक्षकों का सम्मान किया गया वहीं छात्र और शिक्षकों के बीच में बेहतर समन्वय स्थापित करने हेतु कई प्रतियोगितायें भी आयोजित की गयीं। संस्थान के निदेशक नरेंद्र मोहन ने इस अवसर पर छात्रों को सम्बोधित करते हुए कहा कि शिक्षक का वास्तविक कर्तव्य छात्रों को तथ्यपरक शिक्षा देते हुए आने वाली चुनौतियों के लिए तैयार करना है। छात्रों में सृजनात्मक भाव और ज्ञान में वृद्धि कराना ही एक शिक्षक का सबसे महत्वपूर्ण कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि किसी भी राष्ट्र को सुदृढ़ बनाने में उसकी आने वाली पीढ़ी का योगदान अमूल्य है और इस कार्य में जो प्रमुख भूमिका है यह माता-पिता के अतिरिक्त केवल शिक्षक की ही है।इस अवसर पर वैज्ञानिक समिति की अध्यक्ष डॉ. (श्रीमती) सीमा परोहा, आचार्य जैव रसायन ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

बड़ी संख्या में बड़ी संख्या में एथेनॉल इंडस्ट्री लगाई जा रही

इंडस्ट्री के लिए टेक्निकल एक्सपर्ट की टीम नेशनल शुगर इंस्टिट्यूट तैयार कर रहा

नेशनल शुगर इंस्टिट्यूट में 8 सितंबर से कैंपस प्लेसमेंट का पहला राउंड शुरू हो जाएगा

श्रीटीएनएन

कानपुर। कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का पहला चरण 8 सितंबर 2022 से राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर में शुरू होगा। चूंकि चीनी उद्योग स्थिर चीनी कीमतों और इथेनॉल के माध्यम से अतिरिक्त राजस्व सृजन के कारण अच्छा प्रदर्शन कर रहा है, विशेष रूप से न केवल बड़ी संख्या में नई इथेनॉल इकाइयाँ स्थापित की जा रही हैं, बल्कि चीनी कारखाने भी इथेनॉल के उत्पादन के लिए रस निकालने के लिए अपनी पेराई क्षमता का विस्तार कर रहे है। रॉ - रिफाइंड चीनी का उत्पादन करने के उद्देश्य से, कई चीनी कारखानों ने प्रक्रिया में बदलाव किया है, जिससे इंजीनियरों, प्रौद्योगिकीविदों, गुणवत्ता नियंत्रण और पर्यावरण रसायनज्ञों की बहुत मांग पैदा हुई है। हमें देश के अधिकांश प्रसिद्ध चीनी समूहों से अनुरोध प्राप्त हो रहे हैं और पहले चरण के दौरान ही हम मेसर्स डीसीएम श्रीराम लिमिटेड, मेसर्स रेणुका शुगर्स लिमिटेड, मेसर्स बलरामपुर चीनी मिल्स लिमिटेड और मैसर्स धामपुर शुगर मिल्स लिमिटेड आदि के लिए साक्षात्कार आयोजित करने जा रहे हैं। नरेंद्र मोहन, निदेशक, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर

ने कहा। हमें लगातार अन्य चीनी समूहों और मशीनरी निर्माताओं से भी अनुरोध मिल रहे हैं और दूसरे चरण का आयोजन अक्टूबर 2022 के पहले सप्ताह के दौरान किया जाएगा, निदेशक ने कहा। प्रौद्योगिकी में हाल के रुझानों और विभिन्न इकाई संचालन के व्यावहारिक पहलुओं के बारे में बेहतर जानकारी प्रदान करने के लिए, संस्थान "प्रतिष्ठित विशेषज्ञ व्याख्यान श्रृंखला" भी आयोजित कर रहा है जिसमें उद्योग में काम करने वाले प्रसिद्ध तकनीकी विशेषज्ञ छात्रों के लाभ के लिए व्याख्यान देंगे।

इस श्रृंखला में, मैसर्स डालमिया भारत शुगर मिल्स लिमिटेड के महाप्रबंधक (उत्पादन) जी बी यादव द्वारा आज "कम लागत पर बेहतर गुणवत्ता वाली सफेद चीनी बनाने के लिए क्रिस्टलीकरण की आधुनिक तकनीक" पर व्याख्यान दिया गया। शिवेश सिंह, महाप्रबंधक (कॉर्पोरेट), मैसर्स बलरामपुर चीनी मिल्स लिमिटेड द्वारा "रिफाइंड चीनी उत्पादन और इसकी पैकेजिंग की तकनीक" विषय पर भी व्याख्यान दिया गया। प्लेसमेंट अधिकारी प्रो. डी. स्वैन ने कहा कि आगामी साक्षात्कार के लिए छात्रों को बेहतर तरीके से तैयार करने के लिए भी ऐसा किया जा रहा है।

शिक्षक दिवस समारोह में राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान में शिक्षक दिवस समारोह छात्रों की क्रियाकलाप परिषद द्वारा आयोजित किया गया सम्मान

दैनिक देश मोर्चा समाचार पत्र/ संवाददाता9 गौरव सिंह

राष्ट्रीय शंकरा संस्थान में शिक्षक दिवस समारोह छात्रों की क्रियाकलाप परिषद द्वारा आयोजित किया गया समारोह मैं संस्थान के छात्रों की वैज्ञानिक समिति के उपाध्यक्ष नए संस्थान के शिक्षकों के प्रति अपना आभार व्यक्त करते हुए उन से जीवन पर्यंत पथ प्रदर्शक की भूमिका का निर्वहन करने का अनुरोध किया छात्रों की प्रक्रिया कला परिषद द्वारा इस अवसर पर जहां संस्थान के वरिष्ठ शिक्षकों का सम्मान किया गया वहीं छात्र और शिक्षकों के बीच में बेहतर समन्वय स्थापित करने हेतु कई प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई संस्थान के निर्देशक श्री नरेंद्र मोहन ने इस अवसर पर छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षक का वास्तविक कर्तव्य छात्रों को तथ्यपरक शिक्षा देते हुए आने वाली चुनौतियों के लिए तैयार करना है छात्रों में सृजनात्मक भाव और ज्ञान में वृद्धि कराना ही एक शिक्षक का सबसे महत्वपूर्ण कर्तव्य है उन्होंने कहा कि किसी भी राष्ट्रीय को संधू बनाने में उसकी आने वाली पीढ़ी का योगदान और मूल्य है और इस कार्य में जो प्रमुख भूमिका है वह माता-पिता के अतिरिक्त केवल शिक्षक की ही है इस अवसर पर वैज्ञानिक समिति की अध्यक्ष डॉ श्रीमती सीमा परोहा आचार्य जीव रसायन ने भी अपने विचार व्यक्त किए है

एनएसआई में वरिष्ठ शिक्षकों का हुआ सम्मान

शिक्षक को सम्मानित करते निदेशक प्रो. नरेन्द्र मोहन।

कानपुर। राष्ट्रीय शंकरा संस्थान में सोमवार को शिक्षक दिवस पर वरिष्ठ शिक्षकों को प्रतीक चिन्ह देकर उन्हें सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में संस्थान के छात्रों की वैज्ञानिक समिति के उपाध्यक्ष ने संस्थान के शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनसे जीवनपर्यंत पथ-प्रदर्शक की भूमिका का निर्वहन करने का अनुरोध किया। एनएसआई के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने कहाकि शिक्षक का वास्तविक कर्तव्य छात्रों को तथ्यपरक शिक्षा देते हुए आने वाली चुनौतियों के लिए तैयार करना है। छात्रों में सृजनात्मक भाव और ज्ञान में वृद्धि कराना ही एक शिक्षक का सबसे महत्वपूर्ण कर्तव्य है। उन्होंने कहाकि किसी भी राष्ट्र को सुदृढ़ बनाने में उसकी आने वाली पीढ़ी का योगदान अमूल्य है और इस कार्य में जो प्रमुख भूमिका है। वह माता-पिता के अतिरिक्त केवल शिक्षक की ही है। इस दौरान वैज्ञानिक समिति की अध्यक्ष डा. सीमा परोहा, आचार्य जैव रसायन आदि ने अपने विचार व्यक्त किये।